आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
बुधवार 02.04.2025
समय 1305

**मुख्य समाचार :–**

- अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री, किरेन रिजिजू ने आज लोकसभा में वक्फ़ संशोधन विधेयक पेश किया।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वन सम्पदाओं से राजस्व वृद्धि के लिए प्रभावी प्रयास किये जाने के निर्देश दिए।
- उत्तरकाशी जिला प्रशासन, आगामी चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं को चाक–चौबंद और सुगम बनाने में जुटा।
- रुद्रप्रयाग में 'ईट राइट इंडिया' अभियान के तहत आयोजित कार्यशाला में खाद्य कारोबारियों को जागरूक किया गया।

## वक़्फ़ संशोधन विधेयक

लोकसभा में आज वक्फ़ संशोधन विधेयक पर चर्चा हो रही है। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री, किरेन रिजिजू ने विधेयक को सदन के पटल पर रखा। सदन में विधेयक पर चर्चा के लिए 8 घंटे का समय रखा गया है। इससे पहले श्री रिजिजू ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि देशहित में लाए जा रहे इस बिल का करोड़ों मुसलमान ही नहीं, बल्कि पूरा देश समर्थन करेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दल तुष्टिकरण की राजनीति के कारण इसका विरोध कर रहे हैं।

## मुख्यमंत्री समीक्षा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वनों के संरक्षण के साथ ही वन सम्पदाओं से राजस्व वृद्धि के लिए और प्रभावी प्रयास किये जाने के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। सचिवालय में वन विभाग की महत्वपूर्ण योजनाओं की समीक्षा के दौरान उन्होंने जड़ी–बूटियों, कृषिकरण और विपणन के क्षेत्र में कार्य के लिए और अधिक संभवनाएं तलाशी जाने पर बल दिया। इसके अलावा उन्होंने मानव वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए कारगर उपाय करने और वनाग्नि प्रबंधन, जैव विविधता संरक्षण और ईको –टूरिज्म पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। ऊर्जा विभाग की समीक्षा के दौरान भी मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि राज्य में ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने की दिशा में तेजी से कार्य किये जाएं। उन्होंने लघु जल विद्युत परियोजनाओं पर विशेष ध्यान देने की बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की मुख्य अवधारणा में ऊर्जा और पर्यटन प्रदेश था। पर्यटन के क्षेत्र में राज्य में तेजी से कार्य हो रहे हैं, लेकिन ऊर्जा के क्षेत्र में अनेक संभावनाओं पर कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा के क्षेत्र में राज्य की क्षमताओं के हिसाब से कार्य करने की जरूरत है। श्री धामी ने शहरी क्षेत्रों में पावर लाइन के अंडरग्राउडिंग का कार्य वर्षाकाल शुरू

होने से पहले पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने नवीकरणीय ऊर्जा संवर्धन योजना, विद्युत वितरण सुधार योजना और स्मार्ट मीटर की योजनाओं में भी तेजी लाने के निर्देश दिये।

**वेव्स**

सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने इंडियन कॉमिक्स एसोसिएशन और एएसआईएफए इंडिया के सहयोग से वेव्स क्रिएट इन इंडिया चैलेंज–द वेव्स कॉमिक्स क्रिएटर चैंपियनशिप और द वेव्स अवार्ड्स ऑफ एक्सीलेंस के तहत दो प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं के लिए फाइनलिस्ट की घोषणा की है। प्रतियोगिताओं ने भारत और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भागीदारी को आकर्षित किया है, जो सामग्री निर्माण, बौद्धिक संपदा और तकनीकी नवाचार के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में देश की क्षमता को उजागर करता है। आगामी 1 से 4 मई तक मुंबई में आयोजित होने वाले विश्व ऑडियो विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन– वेव्स 2025 में विजेताओं की घोषणा की जाएगी। पीआईबी भोपाल के अतिरिक्त महानिदेशक प्रशांत पथराबे ने कहा कि वेव्स एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, जो पेशेवर उद्यमियों, निवेशकों, उत्पादकों और नवोन्मेषकों को मनोरंजन क्षेत्र में जुड़ने, सहयोग करने, नवाचार करने और योगदान करने के लिए एक वैश्विक मंच प्रदान करता है। भारतीय कॉमिक्स असोसिएशन के अध्यक्ष अजितेश शर्मा ने बताया कि आईसीए ने अंतिम दौर के लिए 10 टीमों का चयन किया है। अंतिम दौर के लिए उम्मीदवारों का चयन उनकी रचनात्मक कहानी, कलात्मक कौशल और समग्र प्रभाव के आधार पर किया गया है।

**यात्रा व्यवस्था**

आगामी चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं को चाक– चौबंद और सुगम बनाये जाने को लेकर उत्तरकाशी के मुख्य विकास अधिकारी एस.एल सेमवाल ने यमुनोत्री धाम पहुंचकर यात्रा मार्गों में पेयजल, शौचालय, साफ–सफाई आदि यात्रा व्यवस्था को परखा। इस दौरान उन्होंने सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को युद्ध स्तर पर यात्रा व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उधर गंगोत्री यात्रा व्यवस्थाओं के जायजा लेने पहुंचे अपर जिलाधिकारी पी.एल शाह ने हीना पार्किंग स्थल का निरीक्षण करते हुए प्रवेश और निकासी गेट से वाहनों की व्यवस्थित और निर्बाध आवाजाही का प्रबंध किए जाने के साथ ही पार्किंग के इंतजाम किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं की उचित व्यवस्था के लिए हेल्थ स्क्रीनिंग के लिए पार्किंग स्थल में उपयुक्त स्थान सुनिश्चित करने की भी हिदायत दी। गौरतलब है कि 30 अप्रैल को गंगोत्री व यमुनोत्री धाम के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे।

**कार्यशाला**

रुद्रप्रयाग में 'ईट राइट इंडिया' अभियान के तहत आयोजित कार्यशाला में खाद्य कारोबारियों को जागरूक करने के लिए विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। मुख्य रूप से फूड वेस्टेज, सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग में कमी लाने और कुट्टू के आटे में मिलावट की रोकथाम को लेकर विचार–विमर्श किया गया। इसके साथ ही, होटल और रेस्टोरेंट संचालकों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि यात्रा काल में खाद्य सुरक्षा संबंधी सभी सरकारी गाइडलाइनों का गंभीरता से पालन किया जाए। इस अवसर पर उपायुक्त व ईट राइट इंडिया के स्टेट नोडल अधिकारी जी.सी. कंडवाल ने स्पष्ट किया कि यात्रा सीजन के दौरान

खाद्य आपूर्ति से जुड़े सभी व्यापारियों को सरकार द्वारा जारी निर्देशों का सख्ती से पालन करना अनिवार्य होगा। खाद्य पदार्थों में किसी भी प्रकार की मिलावट न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

## छापेमारी

देहरादून के निजी स्कूलों, पब्लिशर्स और बुक सैलर्स के गठजोड़ पर जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देश पर प्रशासन की कार्रवाई लगातार जारी है। कल राजधानी के पाँच बड़े बुक सैलर्स के यहाँ छापेमारी करके बड़े पैमाने पर जीएसटी चोरी, अभिभावकों को बिल न देने, बिना बार कोड और आईएसबीएन नंबर के और मनमानी कीमत पर किताबों की बिक्री जैसी धांधली पकड़ी गई। इन बुक सेलर्स की बिल बुक, स्टॉक रजिस्टर और बिना आईएसबीएन नंबर वाली पुस्तकों को जब्त किया गया। इनमें से चार आरोपी बुक सेलर्स के विरूद्ध विभिन्न धाराओं में मुकदमे भी दर्ज किए गए। इसके बावजूद वे पुस्तकों की बिक्री जारी रखे हुए थे। इस पर प्रशासन और पुलिस ने राजपुर रोड, सुभाष रोड पर अभिषेक टावर, डिस्पेंसरी रोड तिराहा और क्रॉस रोड–कान्वेंट रोड तिराहा पर स्थित  आरोपी बुक सेलर्स की दुकानों को सील कर दिया। वहीं दूसरी ओर, मनमाने ढंग से फीस बढ़ाए जाने की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी के निर्देश पर मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने इन स्कूल संचालकों को तलब कर उनसे पिछले पांच वर्ष का फीस स्ट्रक्चर मांगा।

## चरवाहे

उत्तराखंड के पारंपरिक चरवाहे, अनवाल, इन दिनों अपने वार्षिक प्रवास पर मैदान से पहाड़ों की ओर लौट रहे हैं। तराई–भाबर के जंगलों से हिमालयी बुग्यालों की ओर अनवालों की यात्रा जारी है। गर्मियों में हिमालयी क्षेत्र के बुग्यालों में भेड़–बकरियाँ चराने के लिए निकले ये चरवाहे हर साल यहाँ छह महीने प्रवास करते हैं। अनवाल उत्तराखंड में एक ऐसा समुदाय है, जो भेड़–पालन करता है। माना जाता है कि भेड़ों से ऊन निकालने के कारण इन्हें ऊनवाल कहा जाता रहा होगा, जो कालांतर में अनवाल हो गया। लगभग एक हज़ार भेड़ लेकर फ़रवरी के अंतिम सप्ताह में हल्द्वानी के गौलापार से निकला अनवालों का यह दल बागेश्वर पहुँचा है। अगले दस दिन में अनवालों का यह दल पिथौरागढ़ ज़िले में प्रवेश करेगा और मुनस्यारी में कुछ माह रहने के बाद वहाँ से जोहार के बुग्यालों में छह महीने बिताकर मैदानों की ओर लौटेगा।